मध्यप्रदेश शासन

जनसम्पर्क विभाग

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन

2015 -2016

www.mpinfo.org / www.mpnewsarch.org
District News Portal - www.dprmp.org &
Moble Website - www.m.mpinfo.org

भोपाल में 10 सितम्बर 2015 को दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन के शुभारंभ समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वागत किया।

टोक्यो (जापान) में 30 सितम्बर 2015 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एनआईडीईसी के सीनियर वाइस प्रेसीडेन्ट श्री मिनोस किकुओका से भेंट की।

सिंगापुर में 13 जनवरी 2016 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को प्रतिष्ठित ली क्वान यू एक्सचेंज फेलोशिप प्रदान की गई।

मध्यप्रदेश शासन

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन

2015-2016

मध्यप्रदेश शासन

जनसम्पर्क विभाग

जनसम्पर्क विभाग

विभागीय मंत्री

राजेन्द्र शुक्ल

प्रमुख सचिव

एस.के. मिश्र

आयुक्त

अनुपम राजन

अपर सचिव

भूपेन्द्र गौतम (31 दिसम्बर 2015)

अनिल माथुर (01 जनवरी, 2016 से निरंतर)

भाग - 1
विभागीय संरचना

कार्यालय

संचालनालय मुख्यालय	01	भोपाल
संभागीय कार्यालय	07	इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, सागर, रीवा
जिला कार्यालय	44	
राज्य के बाहर स्थापित कार्यालय	02	1. म.प्र. सूचना केन्द्र दिल्ली 2. म.प्र. सूचना केन्द्र मुम्बई
विभाग के अन्तर्गत कार्यरत उपक्रम/संस्थाएँ	02	1. मध्यप्रदेश माध्यम 2. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

स्वीकृत पद

प्रथम श्रेणी	-	53	
द्वितीय श्रेणी	-	78	
तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक)	-	252	(24 सांख्येत्तर पदों सहित)
तृतीय श्रेणी (लिपिकीय)	-	232	
चतुर्थ श्रेणी	-	251	

विभागीय दायित्व

जनसम्पर्क विभाग का मुख्य दायित्व सरकार की नीतियों, निर्णयों, योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों की जानकारी प्रचार माध्यमों से लोगों तक पहुंचाने और जनमानस में शासन की उज्ज्वल छबि प्रस्तुत करना है। विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :-

समाचार प्रभाग

समाचार प्रभाग द्वारा शासन की विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों/ योजनाओं/ नीतियों और उनकी उपलब्धियों के समाचार, विशेष लेख, सफलता की कहानियाँ, फोटो कव्हरेज, वीडियो कव्हरेज करवाकर समाचार-पत्रों को प्रकाशन तथा दूरदर्शन तथा अन्य निजी चैनलों को प्रसारण के लिये प्रतिदिन भेजे जाते हैं। इसके अलावा मंत्रि-परिषद् के सदस्यों के साथ संबद्ध जनसम्पर्क अधिकारी उनके मीडिया संबंधी कार्यों को सम्पादित करते हैं।

विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वर्ष 2015 में आयोजित पंचायत चुनाव एवं नगर पालिक तथा नगर निगम चुनाव के दौरान मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी के कार्य को निष्ठा और तत्परता के साथ किया। इससे राज्य निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने में काफी सहायता मिली।

एक जनवरी से 31 दिसम्बर, 2015 तक हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू में कुल 17 हजार 876 समाचार जारी किये गये। साथ ही 45 सफलता की कहानी हिन्दी में, 31 सफलता की कहानी अंग्रेजी में, 32 विशेष लेख/ संदर्भ हिन्दी में, 22 विशेष लेख/ संदर्भ अंग्रेजी में विभिन्न समाचार-पत्र/ पत्रिकाओं को प्रकाशन के लिये जारी किये गये।

समाचार, विशेष लेख, संदर्भ और सफलता की कहानी का उर्दू और संस्कृत भाषा में अनुवाद कर वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। उर्दू समाचार, विशेष लेख आदि को उर्दूभाषी समाचार-पत्रों को वितरित किया गया है।

इसी प्रकार संभागीय एवं जिला जनसंपर्क कार्यालयों द्वारा इस अवधि में लगभग 84 हजार समाचार स्थानीय समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिये जारी किये गये।

भोपाल में 28 मई को केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के युक्ति-युक्तकरण के लिये गठित नीति आयोग के उप समूह की केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के संबंध में अंतिम दौर पर विचार-विमर्श हेतु आयोजित बैठक का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। तीन मार्च को खण्डवा में श्रीसिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के प्रथम चरण का लोकार्पण और द्वितीय चरण के शिलान्यास कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। जून, 2015 में भोपाल में आयोजित बाँस निवेश समिट-2015 का व्यापक प्रचार-प्रसार जन-संचार के सभी माध्यमों के जरिये सफलता से किया गया। दिनांक 10 से 12 सितम्बर, 2015 तक भोपाल में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। सिंहस्थ-2016 के परिप्रेक्ष्य में इंदौर में 24 अक्टूबर को आयोजित धर्म और आध्यात्म के तीन-दिवसीय वैश्विक समागम और 21 नवम्बर को आयोजित ''वैश्विक तपन और जलवायु परिवर्तन-समाधान की ओर'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

समाचार प्रभाग द्वारा जारी किये जाने वाले समाचारों को समाचार-पत्रों में प्रमुख स्थान देने के लिये वेबसाइट पर समाचारों को अपलोड करने के बाद संपादकों से रोज दूरभाष पर चर्चा की जाती है। संचार प्रतिनिधियों को इस संबंध में तत्काल उनके मोबाइल पर एस.एम.एस. भी किया जाता है।

संचार प्रभाग

आलोच्य अवधि में विभाग की संचार एवं सम्प्रेषण प्रणाली को प्रभावी और सुदृढ़ किया गया। प्रचार-प्रसार सामग्री के त्वरित और बाधा रहित आदान-प्रदान के लिये आवश्यकतानुसार कम्प्यूटर उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाकर लगभग 69 कम्प्यूटर सिस्टम अपग्रेड किये गये। प्रिंटिंग कार्यों की जरूरत के मद्देनजर 22 लेजर प्रिन्टर/स्कैनर-सह-कापियर की व्यवस्था की गई। इसके अलावा मध्यप्रदेश सूचना केन्द्र, मुम्बई में सर्वसुविधा एवं नवीनतम संसाधनों से परिपूर्ण मीडिया सेंटर-सह-स्टूडियो का निर्माण कराया गया।

राष्ट्रीय/प्रादेशिक और स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों पर प्रसारित समाचार बुलेटिनों के बढ़ते महत्व और फ्रीक्वेन्सी को ध्यान में रखकर प्रदेश के विभिन्न घटनाक्रमों/गतिविधियों संबंधी न्यूज की सतत् मानीटरिंग और रिकार्डिंग के लिये मुख्यालय में मानीटरिंग सेल स्थापित है। वर्तमान में 20 क्षेत्रीय/राष्ट्रीय चैनलों के न्यूज बुलेटिनों और प्रदेश पर केन्द्रित विशेष कार्यक्रमों की मानिटरिंग की जा रही है। यह सेल प्रातः 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक निरन्तर कार्य करता है।

लोकसभा/विधानसभा निर्वाचनों के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पेड-न्यूज के मामलों में इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों की सतत् मानीटरिंग/रिकार्डिंग का कार्य निर्वाचन सदन में प्रकोष्ठ स्थापित कर विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा 24 घन्टे अनवरत किया गया। विभाग द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के लिये स्वीप प्लान के अंतर्गत पहली बार अनूठा मीडिया प्लान अमल में लाया गया। इसके लिये CEO Office मध्यप्रदेश और विभाग के स्वीप प्लान नोडल अधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

प्रदेश में 10वीं और 12वीं की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में आने वाले छात्र-छात्राओं और गुरुजनों/परिजनों को बधाई, नव वर्ष, दीपावली एवं किसानों को उचित समय पर खाद उठाव आदि की जानकारी माननीय मुख्यमंत्री के व्हाईस/टैक्सट एस.एम.एस. के जरिये प्रदेशवासियों को मोबाइल पर भेजने की अभिनव पहल की गई। इसके साथ ही नेपाल भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये स्वेच्छा से सहयोग करने की अपील/दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देने एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी जनता को मुख्यमंत्री जी द्वारा 'ढाँढस बँधाने' संबंधी व्हाईस/टैक्सट एस.एम.एस. भेजे गये।

वेबसाइट

विभाग की वेबसाइट www.mpinfo.org पर हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत सहित चार भाषा में समाचार/लेख आदि उपलब्ध कराये जाते हैं। इस साइट पर प्रतिदिन जारी किये जाने वाले समाचार, जन-कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित लेख, सफलता की कहानी, माननीय मुख्यमंत्री जी के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के विजुअल्स, मंत्रि-परिषद के निर्णय, मध्यप्रदेश रोजगार और निर्माण, फ्लैगशिप योजनाएँ, ममता अभियान, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, कृषि महोत्सव,

पुरस्कार, सम्मान और सराहना, विशेष अभियान, कला एवं संस्कृति, विकास गतिविधियाँ, पर्यटन और धार्मिक स्थलों की जानकारी, विभागीय वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, प्रदर्शन विज्ञापन की डिजाइन, विज्ञापन के आर.ओ., टेण्डर नोटिस, अधिमान्यता, मीडिया प्रतिनिधि कल्याण सहायता संबंधी नियम, अचल सम्पति के विवरण, नवीन सूचनाएँ और सम-सामयिक संदर्भ के साथ ही मंत्रि-परिषद, प्रशासनिक अधिकारियों की सूची तथा विभिन्न विभागों के ई-मेल पते उपलब्ध हैं। इस साइट पर प्रतिवेदित अवधि में 17 करोड़ 98 लाख 59 हजार 428 हिट्स प्राप्त हुए।

जिलों के समाचारों के लिये डिस्ट्रिक्ट न्यूज पोर्टल www.dprmp.org कार्यरत है। इस पोर्टल को वर्ष 2015 में 15 करोड़ 12 लाख 25 हजार 355 हिट्स प्राप्त हुए। राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं की क्लीपिंग देखने के लिये विभागीय वेबसाइट www.mpnewsarch.org को 77 लाख 81 हजार 348 एवं मोबाइल धारियों के लिये कार्यरत वेबसाइट www.m.mpinfo.org को भी 81 लाख 35 हजार 754 हिट्स मिले।

फोटो-फिल्म प्रभाग

प्रभाग द्वारा माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, समस्त माननीय मंत्री एवं सभी शासकीय कार्यक्रमों/आयोजनों के फोटो कव्हरेज, विकासात्मक गतिविधियों के छायाचित्र तैयार करवाकर प्रतिदिन समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिये भेजे जाते हैं।

प्रतिवेदित अवधि में शासकीय कार्यक्रमों के कव्हरेजों के 97 हजार 245 फोटो समाचार-पत्र/पत्रिकाओं को जारी किये गये। संभागीय एवं जिला कार्यालयों द्वारा भी विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिए छायाचित्र भेजे गये। इस अवधि में मुख्यालय द्वारा 1729 फोटो कव्हरेज करवाये गये।

विभाग द्वारा महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, समस्त मंत्री एवं सभी शासकीय कार्यक्रमों/आयोजनों के वीडियो कव्हरेज करवाकर प्रतिदिन दूरदर्शन तथा अन्य स्थानीय टी.व्ही. चैनल को प्रसारण के लिये भेजे जाते हैं। इस दौरान 1520 वीडियो कव्हरेज प्रसारण के लिए भेजे गये।

मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं, जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं प्रदेश में सफलता की कहानियों के आधार पर एक-एक मिनिट के 24 न्यूज कैप्सूल्स का निर्माण करवाया गया। न्यूज कैप्सूल्स को दूरदर्शन तथा अन्य निजी चैनलों पर प्रसारित करवाया गया।

फिल्म निर्माण प्रभाग

फिल्म निर्माण प्रभाग द्वारा आलोच्य अवधि में मध्यप्रदेश शासन की जनहितकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, निर्णयों, पुरातात्विक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व के विषयों पर केन्द्रित वीडियो स्पॉट, जिंगल एवं लघु वृत्तचित्र निर्मित करवाये गये हैं। इनमें से कुछ समाज के विभिन्न क्षेत्रों की ख्याति प्राप्त विभूतियों के साथ बनवाये गये हैं।

प्रतिवेदित अवधि में सिंहस्थ-आस्था का पर्व, विन्ध्य महोत्सव, विकास गीत, समग्र मध्यप्रदेश विकास की गाथा, मुख्यमंत्री जी के कार्यकाल के दस वर्ष, विश्व हिन्दी सम्मेलन, सुपर 100 योजना, पवन ऊर्जा में अग्रणी मध्यप्रदेश, वनाधिकार पट्टा, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण, आई.आई.टी. में अनुसूचित

जनजाति वर्ग के छात्रों का चयन, नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना, ऑपरेशन मल युद्ध, ब्रदर नम्बर वन, शिक्षकों को शिक्षा मित्र मोबाइल एप की सुविधा, प्रदेश में खुले में शौच से मुक्त विकासखण्ड चावरपाठा, रेशम क्रांति की ओर बढ़ता प्रदेश, मध्यप्रदेश में सिंचाई का अभूतपूर्व विस्तार, ऑनलाइन एफ.आई.आर. सुशासन आनलाइन समाधान, कृषकों को राहत, खेती-किसानी से जुड़े विषय सहित 48 महत्वपूर्ण विषय पर केन्द्रित वीडियो स्पॉट एवं लघु वृत्तचित्र का निर्माण करवाया गया हैं। प्रदेश सरकार की छबि निर्माण और जन-साधारण को जानकारी दिये जाने के दृष्टिगत सिंहस्थ 2016 पर विशेष रूप से आकर्षक स्वरूप में लघु वृत्तचित्र का निर्माण करवाया गया। प्रभाग द्वारा निर्मित वीडियो स्पॉट एवं लघु वृत्तफिल्मों का दूरदर्शन के साथ ही प्रादेशिक और स्थानीय समाचार चैनलों पर प्रसारण लगातार करवाया जा रहा है।

संदर्भ प्रभाग

संचालनालय के संदर्भ प्रभाग में विभिन्न विषयों की पुस्तकें संकलित हैं। ये पुस्तकें समय-समय पर अधिकारियों के ज्ञानवर्धन, पठन-पाठन तथा सन्दर्भ के उपयोग में आती हैं। इसके अलावा भोपाल में जीटीबी काम्पलेक्स में एक सूचना केन्द्र संचालित है। यह सूचना केन्द्र प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक आमजन के लिए खुला रहता है। पाठकों के पढ़ने के लिए समाचार-पत्रों के अलावा विभिन्न पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती हैं। गत वर्ष लगभग साढ़े सात हजार पाठकों एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

विज्ञापन प्रभाग

जनसम्पर्क संचालनालय के विज्ञापन प्रभाग द्वारा राज्य सरकार के सभी विभाग/कार्यालय की निर्माण/निविदा/भर्ती सूचनाओं का समाचार-पत्रों में विज्ञापन के रूप में प्रकाशन करवाने का कार्य किया जाता है।

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार के विभिन्न विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से करवाने के उत्तरदायित्व का निर्वहन भी विभाग के माध्यम से किया जाता है।

आलोच्य अवधि में सिंहस्थ-2016, मतदाता जागरूकता अभियान, लाड़ो अभियान, आँगनवाड़ी चलो अभियान, स्कूल चले हम अभियान, निर्मल भारत तथा स्वच्छ भारत अभियान, जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना, ग्रामीण परिवहन, कृषि महोत्सव, ई-पंजीयन, हर्बल मेला, योग दिवस, लोक सेवा गारंटी सप्ताह, विश्व हिन्दी सम्मेलन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, स्मार्ट विलेज योजना, सूर्य नमस्कार जैसे कार्यक्रमों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया। प्रचार-प्रसार के लिए समाचार-पत्रों में प्रदर्शन विज्ञापन के साथ ही टी.वी. न्यूज चैनल, आकाशवाणी, विविध भारती, निजी एफ.एम. रेडियो, वेबसाइट्स आदि प्रचार माध्यम का उपयोग किया गया। इसी तरह किसानों को आपदा में राहत संबंधी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे उन्हें संबल मिल सके। इसके लिए प्रभावी विज्ञापन डिजाइन कर प्रकाशित करवाये गये।

विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और सुगमता की दृष्टि से वर्गीकृत तथा प्रदर्शन विज्ञापन सामग्री और विज्ञापन आदेश ऑनलाइन जारी किये जाते हैं। इस अवधि में विज्ञापन के देयक का शत-प्रतिशत भुगतान ई-पेमेंट से किया गया

है। कैलेंडर वर्ष 2015 में कुल 15 हजार 547 विज्ञापन जारी किये गये। इनमें 14 हजार 537 वर्गीकृत और 1010 प्रदर्शन विज्ञापन शामिल हैं।

प्रकाशन प्रभाग

सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों पर आधारित प्रकाशन सरकार का आईना होते हैं। प्रकाशन प्रभाग द्वारा प्रदेश की लोकहितकारी नीतियों, योजनाओं और प्रदेश के जीवन तथा समाज के विभिन्न पहलू पर प्रकाशनों का कार्य किया जाता है। इन प्रकाशनों में किताबें, लघु पुस्तिकाएँ, फोल्डर, पेम्फलेट्स और पोस्टर तथा मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश' शामिल हैं।

मध्यप्रदेश संदेश

प्रदेश सरकार की आमुख पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश' हर माह प्रकाशित होने वाली नियमित पत्रिका है। संदेश का प्रत्येक अंक एक समयानुकूल आवरण कथा पर केन्द्रित किया जा रहा है। पत्रिका में मुख्यतः प्रदेश की जन-कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों के संचालन और उनके परिणामों पर केन्द्रित सामग्री प्रकाशित की जाती है। संदेश को नये कलेवर के साथ प्रकाशित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न विभागों पर विशेष लेखों का प्रकाशन किया जा रहा है। इसके अलावा इस पत्रिका में प्रदेश की विशिष्टताओं, विभिन्नताओं और विलक्षणताओं तथा प्रदेश के जीवन और समाज, कला, साहित्य, संस्कृति, पर्व, तीज-त्यौहार, परम्पराओं, लोक जीवन, वन और वन्य- जीवन, पर्यटन, खेल, सिनेमा तथा साहित्यिक गतिविधियों और प्रदेश से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों एवं विकास की विभिन्न अवधारणाओं पर वरिष्ठ और युवा लेखकों के लेख प्रकाशित किए जाते हैं।

लोकहित कार्यों पर प्रकाशन

मध्यप्रदेश सरकार के जन-कल्याणकारी कार्यों की जानकारियाँ सुदूर अंचल में रहने वाले लोगों तक पहुँचाने के लिए विभिन्न प्रकाशन किए गए। इन प्रकाशन को जिला मुख्यालय पर स्थित जनसंपर्क कार्यालयों के माध्यम से जन-सामान्य तक पहुँचाया गया है। इसके अलावा ऐसे विशिष्ट आयोजनों में इन प्रकाशनों का वितरण किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित था।

प्रदेश सरकार ने, जिनके जीवन में बदलाव लाने के लिए योजनाएँ शुरू की हैं, उन्हें ऐसी योजनाओं की जानकारी देने और लाभ लेने के सुलभ तरीकों की महत्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध करवाने वाली लोकप्रिय पुस्तक 'आगे आयें लाभ उठायें' का नवीन संस्करण प्रकाशित किया गया। इसके अलावा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए फोल्डर तैयार किये गये। समावेशी विकास की राह पर अनुसूचित जाति वर्ग, युवाशक्ति का भविष्य निर्माण, शिक्षा के व्यापक और बेहतर मौके, जीवन में बदलाव की प्रतिबद्ध और कारगर कोशिशें आदि फोल्डर तैयार कर वितरित किये गये।

पत्र-परिनिरीक्षण प्रभाग

पत्र-परिनिरीक्षण प्रभाग द्वारा स्थानीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय तथा सांध्यकालीन समाचार-पत्रों में प्रकाशित प्रदेश सरकार से संबंधित समाचारों का परिनिरीक्षण किया जाता है। समाचार-पत्र कतरनों को महत्व के क्रम में व्यवस्थित कर

बंच तैयार किये जाते हैं, जो माननीय राज्यपाल, उनके सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के माननीय सदस्यों, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिवों/सचिवों, विभागों के प्रमुख सचिवों/सचिवों और विभागाध्यक्षों को प्रतिदिन भेजे जाते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रदेश सरकार से संबंधित समाचार, लेख, संपादकीय, दृष्टिकोण, आलोचनाओं आदि का परि-निरीक्षण भी किया जाता है।

जिलों तथा ग्रामीण अंचलों के महत्वपूर्ण समाचार प्रमुख स्थानीय दैनिकों के डाक संस्करणों में नियमित प्रकाशित होते हैं। प्रभाग में इन संस्करणों के परि-निरीक्षण का कार्य भी प्रतिदिन किया जाकर कतरन बंच प्रेषित किये जा रहे हैं।

प्रतिवेदित अवधि में 78 लाख 36 हजार 397 समाचार-पत्र कतरनें विभिन्न स्तरों पर भेजी गयीं। अधीनस्थ जिला जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा भी इस अवधि में लगभग 11 लाख 75 हजार 459 समाचार-पत्र कतरनें जिले के प्रभारी मंत्री, संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों एवं मुख्यालय को भेजी गईं।

इसके अतिरिक्त उल्लेखनीय उपलब्धियों और सम-सामायिक विषयों पर प्रकाशित होने वाले समाचारों, आलेखों और संपादकीय की कतरनों के विषयवार (फोटोप्रति) संकलन भी तैयार किये जाते हैं। यह संकलन जो सुलभ संदर्भ के साथ ही आंकलन और विश्लेषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं।

पंजीयन प्रभाग

पंजीयन प्रभाग में प्रदेश के सभी जिलों से प्रकाशित हो रहे दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार-पत्रों के साथ ही मासिक, त्रैमासिक तथा अन्य नियतकालिक पत्र-पत्रिका का लेखा-जोखा जिलेवार संधारित किया जाता है। पंजीयन शाखा में ही प्रदेश के जिला दण्डाधिकारियों द्वारा भेजे गये समाचार-पत्रों के घोषणा-पत्रों की अभिप्रमाणित प्रतियाँ सुरक्षित रखी जाती हैं।

कालखंड माह जनवरी से दिसम्बर 2015

• दैनिक समाचार-पत्र	470
• साप्ताहिक समाचार-पत्र	1186
• पाक्षिक	183
• मासिक पत्र-पत्रिकाएँ	1260
• त्रैमासिक पत्र-पत्रिकाएँ	097
योग	**3196**

क्षेत्र प्रचार प्रभाग

क्षेत्र प्रचार प्रभाग द्वारा आलोच्य अवधि में मध्यप्रदेश शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं एवं विकासात्मक उपलब्धियों तथा कार्यक्रमों को आमजन तक पहुँचाने के लिए पारम्परिक एवं आधुनिक जनसंचार माध्यमों से प्रचार-

प्रसार किया गया। उज्जैन सिंहस्थ-2016 का प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार प्रभाग द्वारा किया जा रहा है।

प्रदर्शनी

शासन की विकासात्मक उपलब्धियों एवं सिंहस्थ-2016 का छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया जिसमें मुख्य रूप से भारत पर्व, विश्व हिन्दी सम्मेलन, कृषि महोत्सव, विकास दशक के अवसर पर समस्त जिलों में विकासात्मक प्रदर्शनी लगाई गई। सिंहस्थ-2016 पर आधारित माघ मेला इलाहाबाद, नवचंडी माघ मेला मेरठ, महाशिवरात्रि के अवसर पर अमरकंटक, भोजपुर, ओंकारेश्वर, पचमढ़ी, महेश्वर, देवतालाब, रीवा, दतिया, साँची महोबोधि उत्सव, माण्डव उत्सव इत्यादि अवसरों पर लगभग 250 प्रदर्शनी लगाई गयीं ।

दीवार लेखन

सुशासन पर आधारित स्व-घोषणा पत्र, स्व-प्रमाणीकरण तथा विकास दशक के अवसर पर प्रदेश सरकार की प्रमुखता वाली योजनाओं जैसे अधोसंरचना विकास, आजीविका कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा, सिंचाई, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता, स्वच्छता पर आधारित स्लोगन द्वारा विकासखंड स्तर तक दीवार लेखन से प्रचार-प्रसार किया गया।

होर्डिंग्स

'एक दशक विकास का नए आत्म-विश्वास का' एवं सिंहस्थ 2016 पर आधारित प्रदेश के समस्त जिलों में तथा नासिक कुम्भ, पुरी रथयात्रा, इंदौर-उज्जैन हाईवे इत्यादि स्थानों पर होर्डिंग्स द्वारा प्रचार-प्रसार किया गया।

आयरन फ्रेम बोर्ड

स्व-घोषणा पत्र, स्व-प्रमाणीकरण पर आधारित, प्रदेश के समस्त जिलों एवं साँची बौद्ध अन्तर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इंदौर और डायल 100 का शुभारम्भ भोपाल आदि में आयरन फ्रेम बोर्ड द्वारा प्रचार-प्रसार किया गया।

फ्लेक्स/एल.डी. फाम बेनर

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण एवं अस्पृश्यता निवारण पर आधारित फ्लेक्स प्रदेश की समस्त पंचायतों में भेजे गये । संशोधित मध्यप्रदेश गान के एल.डी. फाम बेनर पर आधारित कैलेण्डर तैयार कर प्रदेश के समस्त जिलों में वितरण के लिए भेजे गये।

सिंहस्थ-2016 का व्यापक प्रचार-प्रसार

सिंहस्थ-2016 की वेबसाइट, सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्वीटर, ई-मैगजीन, यू-टयूब आदि), रेडियो जिंगल्स, आकाशवाणी, एफ.एम. रेडियो पर प्रचार, सिंहस्थ पर आधारित कर्टन रेजर, टी.वी. स्पॉट का दूरदर्शन पर प्रसारण, भारत एवं साउथ अफ्रीका लाईव क्रिकेट मैच के दौरान स्टार स्पोर्ट्स एवं दूरदर्शन पर सिंहस्थ टी.वी. स्पॉट का प्रसारण, मोहाली टेस्ट मैच, बैंगलुरू टेस्ट मैच एवं इंदौर, चैन्नई, राजकोट एक दिवसीय मैच में सिंहस्थ-2016 की ब्रांडिंग, 10 फ्लाईट्स की सीट बैक डिवाईस पर सिंहस्थ का प्रचार, दिल्ली एवं मुंबई एयरपोर्ट पर ग्लोसाईन बोर्ड के

माध्यम से ,वार, डिजिटल मीडिया, किराये के होर्डिंग्स, इंदौर-उज्जैन शहर के बस स्टाप पर ग्लोसाईन बोर्ड द्वारा प्रचार, डी.बी. सिटी मॉल भोपाल में साईनेज आदि जनसंचार के माध्यमों द्वारा सिंहस्थ-2016 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

अधिमान्यता प्रभाग

अधिमान्यता नियम के अनुसार पत्रकारों को राज्य/जिला एवं तहसील-स्तरीय अधिमान्यता प्रदान की जाती है। इसके लिये राज्य तथा संभागीय अधिमान्यता समितियाँ गठित हैं। प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार इन समितियों के सदस्य होते हैं। राज्य स्तरीय अधिमान्यता समिति पत्रकारों के राज्य स्तरीय अधिमान्यता और संभागीय अधिमान्यता समिति पत्रकारों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिमान्यता संबंधी प्रकरणों में अनुशंसा करती है।

प्रदेश में दिसम्बर 2015 की स्थिति में कुल 1089 राज्य, 1643 जिला एवं 576 तहसील स्तरीय अधिमान्यता का नवीनीकरण किया गया। अधिमान्यता नवीनीकरण की प्रक्रिया निरन्तर जारी है।

पत्रकारों को आर्थिक सहायता

पत्रकारों को स्वयं एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों को उपचार के लिए आवश्यकता और पात्रता के आधार पर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। इसके लिए मध्यप्रदेश संचार प्रतिनिधि कल्याण समिति गठित है। इस समिति द्वारा सहायता आवेदनों पर की गई अनुशंसा के अनुसार सहायता राशि स्वीकृति की जाती है। आलोच्य अवधि में कुल 256 पत्रकारों को रुपये 61 लाख 31 हज़ार की राशि स्वीकृत की गई है।

अनुदान

वर्ष 2015-16 में माधवराव सप्रे समाचार-पत्र संग्रहालय, भोपाल को रुपये 10.00 लाख का अनुदान दिया गया ।

फैलोशिप

स्व. राजेन्द्र माथुर स्मृति पत्रकारिता फैलोशिप के अर्न्तगत प्रतिवर्ष एक पत्रकार को रुपये एक लाख की राशि देने का प्रावधान है।

पत्रकारिता सम्मान

मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये उत्साहजनक वातावरण बनाने और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे अग्रणी पत्रकारों को सम्मानित करने के लिये मध्यप्रदेश शासन द्वारा पत्रकारिता सम्मान प्रारम्भ किये गये हैं। पत्रकारों को विशिष्ट योगदान के लिये सम्मान से सम्मानित करने के उद्देश्य से नीचे दर्शाये अनुसार सम्मान स्थापित किये गये हैं :-

राष्ट्रीय सम्मान (सम्मान राशि रुपये 2.51 लाख)

1. माणिकचन्द्र बाजपेयी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

2. गणेश शंकर विद्यार्थी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

3 विद्यानिवास मिश्र राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

राज्य-स्तरीय सम्मान (सम्मान राशि रुपये 1.51 लाख)

1. महेन्द्र चौधरी राज्य-स्तरीय (फोटो) पत्रकारिता सम्मान (एक)
2. सत्यनारायण श्रीवास्तव, राज्य-स्तरीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

आंचलिक पत्रकारिता सम्मान (सम्मान राशि रुपये 1.01 लाख) (सात)

1. स्व. शरद जोशी सम्मान	भोपाल अंचल के पत्रकारों के लिये
2. स्व. राहुल बारपुते सम्मान	इंदौर अंचल के पत्रकारों के लिये
3. स्व. बनारसीदास चतुर्वेदी सम्मान	रीवा अंचल के पत्रकारों के लिये
4. स्व. रतनलाल जोशी सम्मान	ग्वालियर अंचल के पत्रकारों के लिये
5. स्व. जीवनलाल वर्मा विद्रोही सम्मान	जबलपुर अंचल के पत्रकारों के लिये
6. स्व. कन्हैयालाल वैद्य सम्मान	उज्जैन अंचल के पत्रकारों के लिये
7. स्व. मास्टर बलदेव प्रसाद सम्मान	सागर अंचल के पत्रकारों के लिये

श्रद्धा-निधि

मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग 120 पत्रकारों को रुपये 5 हजार प्रतिमाह श्रद्धा-निधि प्रदान की जा रही है।

लैपटॉप

शासन ने राज्य-स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लेपटाप देने की अभिनव योजना प्रारम्भ की है। इसके अर्न्तगत दिसम्बर 2015 की स्थिति में 735 राज्य-स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लैपटॉप क्रय करने के लिये राशि का भुगतान किया गया।

नई योजनाएँ

मध्यप्रदेश राज्य-स्तरीय टेलीविज़न पत्रकारिता सम्मान

राज्य शासन ने इलेक्ट्रानिक चैनल के पत्रकार एवं कैमरामेन के सम्मान के लिये नई योजना वर्ष 2015 में स्वीकृत की है।

1. राष्ट्रीय न्यूज चैनल (पत्रकार) सम्मान	राशि रुपये 1.51 लाख (एक)
2. राष्ट्रीय न्यूज चैनल (कैमरामेन) सम्मान	राशि रुपये 1.01 लाख (एक)
3. राज्य स्तर न्यूज चैनल (पत्रकार) सम्मान	राशि रुपये 1.51 लाख (एक)
4. राज्य स्तर न्यूज चैनल (कैमरामेन) सम्मान	राशि रुपये 1.01 लाख (एक)

संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना

शासन द्वारा मध्यप्रदेश के संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना लागू की गई है। योजना में स्वास्थ्य बीमा रुपये 2.00 लाख और दुर्घटना बीमा रुपये 5.00 लाख का है। योजना में 31 दिसम्बर 2015 तक 1477 संचार प्रतिनिधि का बीमा करवाया जा चुका है।

विभाग के अंतर्गत कार्यरत उपक्रम/संस्थाएँ

मध्यप्रदेश माध्यम

मध्यप्रदेश माध्यम की स्थापना जन-संचार के क्षेत्र में तेजी से होते बदलावों और नये समय में संचार की चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से जनसम्पर्क विभाग के सृजनात्मक उपक्रम के रूप में हुई है।

पिछले दो दशक से अधिक समय से मध्यप्रदेश माध्यम, राज्य सरकार और उसकी संस्थाओं के लिये संचार की सभी विधाओं में कार्य कर रहा है एवं आधुनिक समय के अनुरूप प्रचार कार्यों को नयी शक्ल देने में कामयाब रहा है।

रोजगार और निर्माण, युवाओं की जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय समाचार-पत्र है। अभी इसकी लगभग 80 हजार प्रतियाँ हर सप्ताह प्रकाशित होती हैं। युवाओं के अलावा हर ग्राम पंचायत तक अपनी पहुँच के कारण यह शासन की गतिविधियों की जानकारी देने वाला प्रामाणिक दस्तावेज भी है।

वर्ष 2016 के शासकीय कैलेण्डर में मध्यप्रदेश की धरोहर के फोटोग्राफ्स शामिल कर विशेष स्वरूप में आकल्पन किया गया। संस्था द्वारा विशेष मीडिया कैम्पेन्स का सम्पादन भी सफलतापूर्वक किया गया है। इनमें विभिन्न विभागों के लिये की गई कैम्पेन्स प्रमुख हैं।

परियोजना शाखा–

जनसंपर्क संचालनालय सहित अन्य शासकीय विभागों के महत्वपूर्ण प्रचार अभियानों के आकल्पन, संचालन और इवेन्ट मैनेजमेन्ट कार्य में सहयोग करती है।

मुद्रण शाखा–

विगत वर्ष में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का कृषि एटलस, दतिया रिसोर्स एटलस, किसान-कल्याण विभाग के पेम्फलेट, मृदा कार्ड, महिला-बाल विकास विभाग के लिये पायलट प्रोजेक्ट सहित जनसम्पर्क के मासिक प्रकाशन 'मध्यप्रदेश संदेश' आदि महत्वपूर्ण मुद्रण कार्य किये गये।

फिल्म शाखा–

मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम, स्वास्थ्य, कृषि, स्कूल शिक्षा और ऊर्जा विभाग, राज्य निर्वाचन आयोग, संस्कृति विभाग की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए रेडियो तथा टी.वी. विज्ञापन फिल्मों का निर्माण कर उनका विभिन्न एफ.एम. चैनल्स/टी.वी. चैनल्स/सिनेमाघरों में प्रसारण/प्रदर्शन किया गया।

मध्यप्रदेश माध्यम की गतिविधियों एवं व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। विगत 5 वर्षों में माध्यम का व्यवसाय निरन्तर बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2015-2016 में दिसम्बर माह तक रुपये 84 करोड़ के विरुद्ध 70.30 करोड़ का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। वर्ष 2014-15 तक के अंतिम लेखा तैयार कर चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट्स तथा महालेखाकार कार्यालय, ग्वालियर से अंकेक्षण करवाया जा चुका है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय हिन्दी पत्रकारिता पर विशेष फोकस के साथ पत्रकारिता, जन-संचार, न्यू मीडिया प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और अनुसंधान के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में विकसित हो चुका है। वर्ष 2016 में विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के पच्चीस वर्ष पूरे कर लिये हैं। तेजी से विस्तार पा रहे प्रिन्ट और प्रसारण मीडिया को योग्य और प्रशिक्षित पत्रकार उपलब्ध कराना, हिन्दी और अन्य भाषायी पत्रकारिता के बीच अंतर-संवाद स्थापित करना, मीडिया के सामाजिक सरोकारों पर विमर्श और संवाद, मीडिया एवं संचार के विविध आयामों पर उत्कृष्ट शोध गतिविधियों का संचालन विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है।

मुख्यालय भोपाल के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के चार अन्य परिसर क्रमशः नोएडा, खण्डवा, ग्वालियर एवं अमरकण्टक में संचालित हैं। मुख्यालय स्थित शैक्षणिक विभागों में 25, नोएडा परिसर में 4, खण्डवा में 3, अमरकण्टक में 4 एवं ग्वालियर परिसर में 5 पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पत्रोपाधि, एम.फिल. पी.एचडी. जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। देशभर में विश्वविद्यालय की 60 मीडिया व 856 कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों की सहयोगी अध्ययन संस्थाएँ हैं। इनमें मीडिया और कम्प्यूटर के विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 से विश्वविद्यालय का एक और परिसर रीवा में स्थापित किया जा रहा है।

सांध्यकालीन पाठ्यक्रम

वर्तमान में मीडिया से संबंधित प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की माँग समाज में निरंतर बढ़ रही है, किन्तु इच्छुक विद्यार्थी, नौकरीपेशा व्यक्ति मीडिया में अत्यधिक रुचि के बावजूद नियमित रूप से अध्ययन और प्रशिक्षण प्राप्त नहीं कर पाते हैं। विश्वविद्यालय ने ऐसे लक्ष्य समूह की विशिष्ट आवश्यकता को ध्यान में रखकर सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों की रचना की है। इससे मीडिया में रुचि रखने वाले विद्यार्थी और नौकरीपेशा व्यक्ति इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकें। यह पाठ्यक्रम पूर्णतः अंशकालिक है। वर्तमान समय में 9 सांध्यकालीन पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

प्लेसमेंट गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सामाजिक सरोकारों से प्रतिबद्धता के साथ जन-संचार एवं मीडिया के क्षेत्र में अपना श्रेष्ठतम योगदान दे रहे हैं। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का कार्य मीडिया संस्थानों और विश्वविद्यालय के बीच संवाद बनाना तथा मीडिया के क्षेत्र में उपलब्ध बेहतर विकल्पों के साथ उत्कृष्ट भविष्य के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना है। विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थी देश-विदेश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों, सामाजिक प्रतिष्ठानों, सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े महत्वपूर्ण संगठनों तथा अन्य शासकीय संगठनों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो अपने आप में विश्वविद्यालय की साख और गुणवत्ता का परिचायक है। विगत वर्षों में विश्वविद्यालय ने अपनी साख ऐसी बनाई है कि विद्यार्थी अध्ययन के दौरान ही रोजगार पाते हैं।

पिछले वर्ष विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों का चयन देश के प्रतिष्ठित टी.वी. न्यूज चैनलों जैसे आईबीसी 24, नेटवर्क 18 समूह, आई.बी.एन. डिजिटल प्रापर्टीस (वेब), आज तक डॉट काम, दूरदर्शन भोपाल, ईटीवी

आदि में हुआ है। इसके अतिरिक्त रेडियो चैनलों जैसे रेडियो मिर्ची, माय एफएम 94.3, प्रमुख समाचार-पत्रों जैसे दैनिक भास्कर, नई दुनिया, दैनिक जागरण, हरिभूमि, हिन्दुस्तान टाईम्स, भास्कर डॉट काम में भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

विश्व हिन्दी सम्मेलन में विश्वविद्यालय की सहभागिता

दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन के भोपाल में आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय ने सहयोगी संस्था के रूप में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह किया। इनमें प्रदर्शनी हिन्दी-कल आज और कल का संयोजन, विचार-सत्रों के आयोजन और सम्मेलन के दौरान दैनिक सार समाचार का प्रतिदिन प्रकाशन शामिल है। सम्मेलन के वृत्त लेखन के कार्य में भी विश्वविद्यालय के आध्यापकों और विद्यार्थियों का योगदान रहा। इसके अलावा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अतिथियों के आगमन से प्रस्थान तक अतिथि सहायकों का दायित्व निभाया। इस अवसर पर विशेष ऐप 'दृश्यमान' की रचना की गई।

प्रकाशित रिपोर्ट

1 जम्मू-कश्मीर की वास्तविकता एवं प्रतिमाएँ: मीडिया की भूमिका

2 धारा 370 के प्रभावों का विश्लेषण हिन्दी प्रतिवेदन: संत कुमार शर्मा

3 धारा 370 के प्रभावों का विश्लेषण अंग्रेजी प्रतिवेदन: संत कुमार शर्मा

4 जनजाति समाज और जनसंचार माध्यम: प्रतिमा एवं वास्तविकता हिन्दी प्रतिवेदन

5 जनजाति समाज और जनसंचार माध्यम: प्रतिमा एवं वास्तविकता अंग्रेजी प्रतिवेदन

6 पुलिस एवं मीडिया

7 स्वामी विवेकानंद और भारतीय नवोत्थान

8 मैगालिथ की संवाद परम्पराएँ

9 संचार और सूचना प्रौद्योगिकी में मूल्य निष्ठता

रिसर्च जर्नल

1. मीडिया मीमांसा, त्रैमासिक रिसर्च जर्नल
2. मीडिया नवचिंतन, त्रैमासिक रिसर्च जर्नल
3. एम.सी.यू., समाचार त्रैमासिक गृह पत्रिका

शोध कार्य

महर्षि अरविंद और स्वामी विवेकानंद शोध पीठ सृजित की गई है।

आदि में हुआ है। इसके अतिरिक्त रेडियो चैनलों जैसे रेडियो मिर्ची, माय एफएम 94.3, प्रमुख समाचार-पत्रों जैसे दैनिक भास्कर, नई दुनिया, दैनिक जागरण, हरिभूमि, हिन्दुस्तान टाईम्स, भास्कर डॉट काम में भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

विश्व हिन्दी सम्मेलन में विश्वविद्यालय की सहभागिता

दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन के भोपाल में आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय ने सहयोगी संस्था के रूप में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह किया। इनमें प्रदर्शनी हिन्दी-कल आज और कल का संयोजन, विचार-सत्रों के आयोजन और सम्मेलन के दौरान दैनिक सार समाचार का प्रतिदिन प्रकाशन शामिल है। सम्मेलन के वृत्त लेखन के कार्य में भी विश्वविद्यालय के आध्यापकों और विद्यार्थियों का योगदान रहा। इसके अलावा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अतिथियों के आगमन से प्रस्थान तक अतिथि सहायकों का दायित्व निभाया। इस अवसर पर विशेष ऐप 'दृश्यमान' की रचना की गई।

प्रकाशित रिपोर्ट

1 जम्मू-कश्मीर की वास्तविकता एवं प्रतिमाएँ: मीडिया की भूमिका

2 धारा 370 के प्रभावों का विश्लेषण हिन्दी प्रतिवेदन: संत कुमार शर्मा

3 धारा 370 के प्रभावों का विश्लेषण अंग्रेजी प्रतिवेदन: संत कुमार शर्मा

4 जनजाति समाज और जनसंचार माध्यम: प्रतिमा एवं वास्तविकता हिन्दी प्रतिवेदन

5 जनजाति समाज और जनसंचार माध्यम: प्रतिमा एवं वास्तविकता अंग्रेजी प्रतिवेदन

6 पुलिस एवं मीडिया

7 स्वामी विवेकानंद और भारतीय नवोत्थान

8 मैगालिथ की संवाद परम्पराएँ

9 संचार और सूचना प्रौद्योगिकी में मूल्य निष्ठता

रिसर्च जर्नल

1. मीडिया मीमांसा, त्रैमासिक रिसर्च जर्नल
2. मीडिया नवचिंतन, त्रैमासिक रिसर्च जर्नल
3. एम.सी.यू., समाचार त्रैमासिक गृह पत्रिका

शोध कार्य

महर्षि अरविंद और स्वामी विवेकानंद शोध पीठ सृजित की गई है।

भाग - 2

बजट (एक दृष्टि में)

बजट प्रावधान एवं व्यय योजनावार

मांग संख्या - 32 सूचना और प्रचार (आयोजनेत्तर)

(31.01.2016 की स्थिति में)

(राशि लाख रुपये में)

क्र.	शीर्ष	वर्ष 2014-2015		वर्ष 2015-2016	
		आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय
1.	2304-निर्देशन और प्रशासन	11964.86	8974.98	12166.41	9318.39
2.	7248-इलेक्ट्रानिक मीडिया पर प्रचार	2000.00	1999.98	2200.00	2199.97
3.	5489-पत्रकारिता पुरस्कार एवं प्रशिक्षण	93.00	93.00	100.00	63.29
4.	8688-सूचना केन्द्र दिल्ली	173.80	100.09	185.26	81.40
5.	2822- चलचित्र इकाई की स्थापना	605.68	244.71	700.00	358.62
6.	0994- क्षेत्र प्रचार	350.00	302.24	450.00	172.52
7.	4065-विशेष अवसरों पर प्रचार	2861.10	2234.14	3070.00	1182.04
8.	0223-प्रकाशन	425.85	406.79	480.00	157.90
9.	1294-वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों को श्रद्धानिधि	90.00	61.95	100.00	56.65
10.	7300-स्व.श्री सुशीलचन्द वर्मा पुरस्कार योजना	0.01	-	0.01	-
11.	7437-पत्रकारों को लेपटाप प्रदाय	451.20	242.80	100.00	57.20
	योग (आयोजनेत्तर)	**19015.50**	**14660.68**	**19551.68**	**13647.98**

आयोजना

(राशि लाख रुपये में)

क्र.	शीर्ष	वर्ष 2014-2015		वर्ष 2015-2016	
		आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय
	मांग संख्या 32				
1.	5620 - जन-कल्याणकारी योजनाओं का समन्वित प्रचार-प्रसार	880.00	557.96	900.00	662.86
2.	8808 - सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य	0.01	-	0.01	-
3.	मांग संख्या 41 आदिवासी उपयोजना	140.00	103.20	148.82	119.08
4.	मांग संख्या 64 अनुसूचित जाति उपयोजना	160.00	113.99	181.28	142.19
	योग (योजना)	**1180.01**	**775.15**	**1230.11**	**924.13**

भाग - 3

राज्य और केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ

(अ) राज्य योजना

1. **फिल्मों का निर्माण :-** इस मद में जन-सामान्य को राज्य शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए टेलीविजन कव्हरेज किये गये। साथ ही लघु फिल्में/न्यूज कैप्सूल बनाये गये।

2. **क्षेत्र प्रचार :-** प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य प्रचार माध्यमों के द्वारा शासन की उपलब्धियों की जानकारी दी गई।

3. (ब) **केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ**

   कोई नहीं।

   (स) **विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली योजनाएँ**

   कोई नहीं।

   (द) **विदेशी सहायता प्राप्त योजनाएँ/परियोजनाएँ**

   कोई नहीं।

   (इ) **अन्य योजनाएँ**

   कोई नहीं।

जनहित में संचालित विभाग की योजनाएँ

जनसंपर्क विभाग निम्नलिखित योजनाओं का संचालन जनहित में करता है :-

1. पत्रकारों एवं उनके आश्रित सदस्यों को उपचार के लिए सहायता योजना।
2. वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों के लिए श्रद्धानिधि योजना।
3. पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना।
4. राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लैपटॉप वितरण योजना।

भाग - 4

सामान्य प्रशासनिक विषय

विभाग द्वारा प्रतिवेदित अवधि में 07 राजपत्रित एवं 24 अराजपत्रित कर्मचारियों को विभिन्न पदों पर पदोन्नतियाँ प्रदान की गईं। अराजपत्रित वर्ग के 106 कर्मचारियों को पात्रतानुसार समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया।

विभाग में दिवंगत शासकीय सेवकों के 05 आश्रितों को रिक्त पदों पर अनुकंपा नियुक्तियाँ प्रदान की गईं। इनसे अनुसूचित जाति/ जनजाति के एक-एक तथा दो पिछड़ा वर्ग के आरक्षित पदों की पूर्ति भी हुई। विभाग में भृत्य के 02 रिक्त पदों पर सहारिया, भारिया और बैगा जनजाति वर्ग के आवेदकों को नियुक्ति दी गई।

इसी तरह कार्यभारित एवं आकस्मिक निधि से वेतन पाने वाले 02 वाहन चालक को वरिष्ठताक्रमानुसार नियमित वाहन चालक के रिक्त पदों पर नियुक्त/ समायोजित किया गया। विभाग में सहायक ग्रेड-3 सह-डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, भृत्य तथा चौकीदार के 06 पद पर (संविदा) नियुक्तियाँ की गईं।

राजपत्रित/ अराजपत्रित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की पदक्रम सूची- 2015 प्रकाशित करने के साथ लोक सेवा आयोग के ऑनलाइन साफ्टवेयर में विभागीय पदोन्नति समिति की जानकारी की प्रविष्टि की गई।

सी.एम. हेल्पलाईन में दिसम्बर, 2015 तक विभाग में पंजीकृत 73 शिकायत में से 49 शिकायत को निराकृत किया गया। शेष शिकायतों पर भी कार्रवाई प्रक्रिया में है।

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ-2016 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये अधिकारियों/ कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाया गया।

रतलाम संसदीय निर्वाचन तथा देवास विधानसभा उपचुनाव 2015 के दौरान पेड-न्यूज संबंधी मामले, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सभी समाचार पत्र-पत्रिकाओं का परिनिरीक्षण और इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों की मॉनीटरिंग के लिये विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को 24 घन्टे सतत् तैनात किया गया।

कर्मचारी कल्याण

कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति एवं समयमान दिये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। प्रतिवेदित अवधि में सभी पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति/उच्चतर वेतनमान के अंतर्गत उच्चतर वेतनमान का लाभ दिया गया। विभागाध्यक्ष स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक दिनांक 20 मई एवं अगस्त 2015 में सम्पन्न हुई। कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों से प्राप्त समस्याओं/कठिनाइयों का यथोचित निराकरण किया गया।

प्रशिक्षण

अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने दायित्वों का कुशलता से निर्वहन करने और उन्हें अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न प्रशिक्षण दिलवाये गये। इनमें जनगणना 2011 के आँकड़ों से संबंधित राज्य स्तरीय, वेबबेस्ड सॉफ्टवेयर के उपयोग, एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएफएमआईएस),

समाचार, सूचना का अधिकार, लेखा, आलेख एवं फीचर लेखन, फायनेंशियल मैनेजमेंट एण्ड फायनेंशियल सिस्टम विषय पर आधारित पृथक-पृथक प्रशिक्षण दिलाये गये। इसके अलावा विभागीय अधिकारी/ कर्मचारियों को 'सोशल मीडिया' संबंधी प्रशिक्षण भी दिलवाया गया है।

महिलाकर्मियों की समस्याओं का निराकरण

महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने के संबंध में मुख्यालय पर राजपत्रित महिला अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित है। समिति की अनुशंसाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। विभाग में महिलाओं की पदस्थापना सर्वाधिक मुख्यालय में है। यहाँ महिलाओं के लिए अलग से लंच रूम और प्रसाधन की व्यवस्था है। इसी प्रकार अधीनस्थ कार्यालयों में भी महिला कर्मचारियों के लिए आवश्यकतानुसार समुचित व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। राज्य महिला आयोग के प्रचार-प्रसार कार्यों को संपादित करने के लिए एक राजपत्रित अधिकारी को नामांकित किया गया है।

महिलाओं के चित्रण के बारे में मीडिया की आचरण संहिता

विभाग द्वारा इस संबंध में भारतीय प्रेस परिषद को पत्र लिखा गया है। परिषद ने सूचित किया है कि परिषद मीडिया में महिलाओं के नकारात्मक चित्रण पर चिंतित है और इसे रोकने के लिए गंभीरता से प्रयासरत है।

भाग - 5

विभागीय प्रकाशन

विभाग द्वारा 'मध्यप्रदेश संदेश' नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है। विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश माध्यम द्वारा साप्ताहिक 'रोजगार और निर्माण' का नियमित प्रकाशन भी हो रहा है।

भाग - 6

उपसंहार

जनसंपर्क विभाग का प्रमुख कार्य, शासन की जनोपयोगी नीतियों, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनता की भलाई के लिए किये गये कार्यों को जनसंचार के विभिन्न साधनों-दूरदर्शन, इलेक्ट्रॉनिक चैनलों, आकाशवाणी, समाचार पत्र-पत्रिकाओं, प्रकाशनों, शिविरों, प्रदर्शनियों और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जनसामान्य तक पहुंचाना है। मध्यप्रदेश में पत्रकारिता को उत्साहजनक बनाने और अग्रणी पत्रकारों को सम्मानित करने के लिये पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

सूचनाओं के विस्तार के लिए प्रिंट/इलेक्ट्रानिक मीडिया को जिला स्तर के समाचारों की उपलब्धता की दृष्टि से विभागीय वेबसाइट www.mpinfo.org, समाचार पत्र-पत्रिकाओं की क्लीपिंग के लिये www.mpnewsarch.org, जिलों की खबरों के लिये डिस्ट्रिक्ट न्यूज पोर्टल www.dprmpinfo.org और मोबाइल यूजर्स के लिये मोबाइल वेबसाइट www.m.mpinfo.org सतत् कार्यरत हैं।

नोट्स :

जनसम्पर्क पत्रकारिता पुरस्कार की झलकियाँ

नई दिल्ली में 26 जनवरी 2016-गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई मध्यप्रदेश की झाँकी में रीवा के विश्व प्रसिद्ध सफेद शेरों को दर्शाया गया। झाँकी में रीवा जिले का गोविन्दगढ़ का किला भी दिखाई दे रहा है, जहाँ बैठकर पर्यटक सफेद शेर को निहार रहे हैं।